कार्यक्रम का नाम - एम0पी0ए0 संगीत प्रथम वर्ष

कार्यक्रम कोड - एम0पी0ए0एम0 - 19

उद्देश्य - *इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियो को सौन्दर्यशास्त्र तथा पाश्चात्य संगीत का ज्ञान देना एवं उनके भारतीय संगीत के विभिन्न घटकों के ज्ञान में वृद्धि करना है।*

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र**	**एम0पी0ए0एम0 -101**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	***सौन्दर्यशास्त्र***			
	इकाई 1-रस सिद्धान्त, लय व छन्द।			
	इकाई 2-सौन्दर्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत के सन्दर्भ में।			
	इकाई 3-संगीत की व्याख्या भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार।			
द्वितीय खण्ड	***भारतीय संगीत का इतिहास***			
	इकाई 1-प्राचीन काल।			
	इकाई 2-मध्यकाल।			
	इकाई 3-आधुनिक काल।			
तृतीय खण्ड	***भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण एवं ध्वनि प्रकरण***			
	* **इकाई 1-**भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण (विस्तृत अध्ययन)।			
	इकाई 2-ध्वनि का विज्ञान एवं महत्व।			
	***इकाई 3-**ध्वनि भेद {ध्वनि (संगीतोपयोगी),नाद (आहत एवं अनाहत),ध्वनि का उॅचा व नीचापन,काकु}।			
चतुर्थ खण्ड	***पारिभाषिक शब्द एवं पाश्चात्य संगीत***			
	* **इकाई 1-**संगीत संबंधी पारिभाषिक शब्दों की विस्तृत व्याख्या (नाद,स्वर,श्रुति,सप्तक,ताल,लय,लयकारी,ख्याल,ध्रुवपद,धमार,ठुमरी व टप्पा)।			
	इकाई 2-पाश्चात्य संगीत का परिचय एवं स्टाफ नोटेशन।			
	इकाई 3-पाश्चात्य संगीत के पारिभाषिक शब्द।			

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0। 2. डॉ0 सुलोचना बृहस्पति , ध्वनि और संगीत।

3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0। 4. डॉ0 लालमणि मिश्र, भारतीय संगीत वाद्य,भारतीय ज्ञानपीठप्रकाशन,दिल्ली।

5. श्री एस0एस0 परान्जपे,भारतीय संगीत का इतिहास। 6. श्रीमती स्वतन्त्रा शर्मा, सौन्दर्य रस औरसंगीत।

7. श्री भगवतशरण शर्मा, पाश्चात्य संगीत शिक्षा, संगीत कार्यालय, हाथरस।

नोट - एम0पी0ए0एम0 –101 कोर्स कोड संगीत की तीनों विधाओं गायन,स्वरवाद्य एवं तबला के लिए समान है।